

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2369

08 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात का उत्पादन और आयात

2369. श्री कृपाल बालाजी तुमाने:

श्रीमती रमा देवी:

श्री गिरिधारी यादव:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या यह सच है कि देश में भारी उत्पादन के बावजूद इस्पात का आयात किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और किस किस्म के इस्पात का आयात किया जाता है;
- (ख) देश में उक्त किस्म के इस्पात का उत्पादन नहीं होने का क्या कारण है और सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है;
- (ग) विगत तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान देश में इस्पात के आयात का रुझान और मात्रा कितनी है;
- (घ) क्या उक्त अवधि के दौरान स्वदेशी इस्पात उत्पादन के रुझान में कमी आई है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ङ) क्या यह सच है कि चीन सहित विभिन्न देशों से सस्ते इस्पात के आयात के कारण स्वदेशी इस्पात उद्योग पर बुरा प्रभाव पड़ा है और यदि हां, तो क्या सरकार का इस्पात पर आयात शुल्क बढ़ाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यह कार्य कब तक किए जाने की संभावना है; और
- (च) सरकार द्वारा स्वदेशी इस्पात उद्योग के संरक्षण/संवर्धन और उत्पादन में बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

इस्पात मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) और (ख): जी हाँ। वर्ष 2018-19 की अवधि के दौरान फिनिशड इस्पात का आयात 7.83 मिलियन टन रहा, जोकि वर्ष 2017-18 की तुलना में 4.7% अधिक है। स्टेनलेस स्टील, फ्लैट उत्पाद जैसे कि एचआर/सीआर क्वॉयल्स, जीपी/जीसी कोटिड और इलेक्ट्रिकल शीट्स ऐसी मुख्य श्रेणियाँ हैं, जिनका अन्य देशों से आयात किया जा रहा है। आयात किए जाने वाले इस्पात ग्रेडों में कुछ ऐसे इस्पात ग्रेड हैं, जैसे कि सीआरजीओ, जीरो बैंड वाली सीआर शीट्स, एपीआई ग्रेड इस्पात शीट्स/क्वॉयल्स, ऑटोमोबाइल घटकों आदि में प्रयोग होने वाले कुछ ग्रेडों के विशेष अलॉय स्टील, आदि, जिनका देश में पर्याप्त मात्रा में विनिर्माण नहीं होता। इन ग्रेडों के इस्पात का देश में

विनिर्माण नहीं किए जाने के कई कारण हैं, जैसे कि तकनीक का उपलब्ध न होना, उन ग्रेडों के स्टील की पर्याप्त माँग न होना, जिनके लिए अलग उत्पादन लाईन शुरू की जाए।

(ग): भारत में तैयार इस्पात के विवरण निम्न प्रकार से हैं:-

वर्ष	इस्पात आयात (मिलियन टन में)	आयात का मूल्य (करोड़ रुपये में)
2015-16	11.71	45044
2016-17	7.23	34104
2017-18	7.48	39484
2018-19	7.83	49317

(घ): जी नहीं।

(ड): गत दो वर्षों से नामतः वर्ष 2017-18 और 2018-19 में इस्पात का आयात स्थिर रहा और वर्ष 2018-19 में वर्ष 2017-18 के आयात के स्तर की तुलना में फिनिशड इस्पात आयात में 4.7% वृद्धि हुई थी। चीन से आयात वर्ष 2017-18 की तुलना में वर्ष 2018-19 में 11.7% कम हुआ।

(च): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। तथापि, स्वदेशी इस्पात उद्योग को बचाने/बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

(i) घरेलू विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पाद नीति, 2017 को दिनांक 29.05.2019 को संशोधित किया गया, इसमें न केवल संविदा के थ्रैशहोल्ड न्यूनतम मूल्य को 50 करोड़ रुपये से घटाकर 25 करोड़ रुपये किया गया, बल्कि इस नीति की परिधि के अंदर इंजीनियरिंग, प्रापण और निर्माण (ईपीसी) संविदाओं को भी शामिल किया गया, न्यूनतम मूल्य संवर्धन के स्तर बढ़ा दिए गए और पूँजीगत सामान को शामिल किया गया।

(ii) सरकार ने घरेलू इस्पात क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 को भी अधिसूचित कर दिया है।

(iii) सरकार ने 53 इस्पात और इस्पात उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश अधिसूचित किए हैं जो घरेलू उत्पादन के साथ-साथ आयात पर भी लागू होते हैं। इस्पात गुणवत्ता नियंत्रण आदेश मानव, पशु और वनस्पति का संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा, अनुचित व्यापार पद्धतियों और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए जनहित में कार्यान्वित किया गया है।

(iv) अनुचित बाहरी प्रतिस्पर्धा से घरेलू उद्योग को बचाने के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क और प्रतिकारी शुल्क लगाकर उपयुक्त व्यापारिक उपाय किए गए हैं।
